पालतू पशुओं में भी हो रहीं लाइफ स्टाइल डिजीज, गुरुग्राम में एक साल के कुत्ते में मिला बोन कैंसर

वैभव शर्मा • हिसार

जागरण विशेष

डायबिटीज, हार्ट फेल, ब्लड प्रेशर और कैंसर आदि बीमारियां मनुष्यों में उनकी जीवन शैली बिगड़ने के कारण होती हैं। मगर आपको यह जानकर हैरानी होगी पेट्स में भी यह बीमारियां सामने आ रही हैं। पालतू बिल्लियों को डायबिटीज हो रही है तो एक साल के डॉग को बोन कैंसर का मामला सामने आया है। हैरानी की बात तो यह है कि घर पर यह पेट्स सामान्य दिखेंगे, मगर भीतर ही भीतर यह बड़ी बीमारियों से जूझ रहे होते हैं।

शुक्रवार को लुवास में सर्जरी की नेशनल कांफ्रेंस के दौरान गुरुग्राम के सीजीएस अस्पताल से डा. सलीशा कोरिआ ने पालतू पशुओं पर अपना शोध प्रस्तुत किया। वह बताती हैं कि वेटरनरी में अल्ट्रासाउंड ने जानवरों में बीमारियों को खोजने में आसानी कर दी है। हम समझते थे कि जानवरों में कभी बड़ी बीमारियां नहीं होती मगर अब सामने आ रहा है कि मनुष्यों की तरफ पालतू पशुओं में लगातार लाइफ स्टाइल डिजीज बढ़ रही हैं। यह बदलाव पालतू पशुओं में मनुष्यों जैसा खाना और न टहलने की वजह से अधिक हो रहा है।

छोटे पशुओं को नहीं होता था कैंसर

वेटरनरी सर्जन डा. सलीशा बताती हैं कि अक्सर बुजुर्ग होने पर ही डॉग में बीमारियां आती थी, मगर अब हमारे सामने गुरुग्राम व दिल्ली में एक व डेढ़ साल के पेट्स में बोन कैंसर के मामले सामने आए हैं। सिर्फ कैंसर नहीं बल्कि डायबिटीज, हार्ट डिजीज व रक्तचाप बढ़ने के मामले भी इनमें शामिल हैं। लुवास के वैज्ञानिकों के समक्ष हमने इस बदलाव को पेश किया है, ताकि देशभर के वेटरनरी सर्जन इस विषय पर काम कर सकें। इसके अलावा इन-ब्रीडिंग (एक परिवार के डॉग की आपस में ब्रीडिंग कराना) भी पेट्स में बीमारियों की बड़ी वजह है। काला मोतियाबिंद, मोतियाबिंद, आंखों की समस्या आदि के लिए एडवांस इलाज आ गया है। मगर कैंसर में अभी बहुत काम करना है।

डा. सलीशा कोरिआ। • विज्ञप्ति

18 वर्ष जीने वाले पेट्स की उम्र घटकर हुई 9 वर्ष

वेटरनरी सर्जन डा. समर महेंद्र बताते हैं कि जीवन शैली में परिवर्तन से ही मनुष्यों की तर्ज पर पशुओं की उम्र भी घटती जा रही है। पहले एक डॉग 18 वर्ष तक जीवन जी लेता था, मगर अब 9 से 10 वर्ष तक ही जिंदगी जी पा रहा है। इस उम्र तक भी उसे कई बीमारियां घेर लेती हैं। खास बात है कि अभी तक बीमारियों को डाइग्नोज करने की व्यवस्था देश के बड़े अस्पतालों में ही है। मगर पशुओं को लेकर लोगों की सोच में परिवर्तन आया है। अब बड़े शहरों में लोग नया पेट्स लेने के बजाए इन्हें गोद ले रहे हैं।

डा. समर महेन्द्रा। • विज्ञप्ति

पालतू पशुओं में डायबिटीज और कैंसर के लक्षण को ऐसे पहचानें

- डायबिटीज होने पर पेट्स बहुत पानी पीयेंगे, हर समय भूख लगेगी, शरीर सूख जाएगा, अधिक टॉयलेट आदि जाना।
- बोन कैंसर के मामले में अक्सर बिना चोट लगे हड्डियों पर सूजन जैसा दिखता है।